ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–05
दिनांक– शुक्रवार, 16 जनवरी, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 22.7 एवं 5.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 56.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 11.7 एवं दोपहर में 20.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(17–21 जनवरी, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 17–21 जनवरी, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ एवं मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। सुबह में हल्के से मध्यम कुहासा छा सकता है।
- अधिकतम तापमान 20 से 23 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। औसतन 6–7 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछात गेहूँ में यदि दीमक का प्रकोप दिखाई दे तो बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. दवा 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20–30 किलोग्राम बालू में मिलाकर शाम के समय खेत में बिखेरें तथा उसके बाद सिंचाई करें। विलम्ब से बोई गई गेहूँ की 21–25 दिन की फसल में सिंचाई के साथ 30 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर, मूली, मटर, बैंगन, टमाटर एवं मिर्च की फसलों में नियमित निराई–गुड़ाई एवं सिंचाई करते रहें। रोग–व्याधि से बचाव हेतु कार्बेन्डाजिम (वेविस्टीन) 2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर समान रूप से छिड़काव करें। गरमा सब्जियों की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें।
- अरहर की फसल में फल मक्खी की नियमित निगरानी करें। इस कीट के मैगट पहले तने में छेद कर अंदर से खाते हैं, जिससे तना एवं शाखाएँ सूखने लगती हैं। बाद में दाना आने पर बीजों को नुकसान पहुँचाते हैं, जिससे उपज में भारी कमी आती है। नियंत्रण हेतु कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। विलम्ब से बोई गई दलहनी फसलों में 2 प्रतिशत यूरिया घोल का छिड़काव एक सप्ताह के अंतराल पर दो बार करें।
- मटर की फसल में चूर्णिल फफूंदी (पाउडरी मिल्ड्यू) रोग की निगरानी करें। इस रोग में पत्तियों, तनों एवं फलियों पर सफेद चूर्ण दिखाई देता है। बचाव के लिए कैराथेन 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। मटर में फली छेदक कीट की भी नियमित निगरानी आवश्यक है।
- आम एवं लीची के बागों में इस समय निराई–गुड़ाई न करें, क्योंकि इससे पुष्पन एवं फलन प्रभावित हो सकता है। अभी सिंचाई भी न करें, अन्यथा फलों के स्थान पर नई पत्तियाँ निकलने की संभावना बढ़ जाती है।
- खेतों में कम नमी को देखते हुए सब्जी फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। फ्रेंचबीन, पालक, मटर, फूलगोभी आदि फसलों में फफूंदनाशक दवा का प्रयोग करें। यदि पत्तियों पर रोग के धब्बे दिखाई दें तो मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- आलू की फसल का नियमित निरीक्षण करें, क्योंकि इस समय झुलसा रोग का प्रकोप अधिक होने की संभावना रहती है। बचाव हेतु रिडोमिल 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें तथा खेत में आवश्यकतानुसार सिंचाई बनाए रखें।
- मक्का की फसल में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें। सिंचाई के बाद 25–30 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें, जिससे कम तापमान एवं शीतलहर से फसल को हुए नुकसान की भरपाई हो सके।
- मिर्च की फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करें। ये कीट पत्तियों, कलियों एवं फूलों का रस चूसते हैं तथा विषाणु रोग फैलाते हैं। नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 17.8 ई.सी. 1 मिलीलीटर या डायमेथोएट 30 ई.सी. 2 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी की दर से मौसम साफ रहने पर छिड़काव करें।
- चना एवं टमाटर की फसल में फली छेदक कीट के नियंत्रण हेतु फेरोमोन ट्रैप 3–4 प्रति एकड़ की दर से खेतों में लगाएँ।
- पशुपालक भाई दूधारु पशुओं के रख–रखाव एवं खान–पान पर विशेष ध्यान दें। हरे एवं सूखे चारे के साथ प्रतिदिन 50 ग्राम नमक तथा 50–100 ग्राम खनिज मिश्रण दें। दूध उत्पादन में कमी होने पर पशु चिकित्सक की सलाह से कैल्शियम इंजेक्शन या तरल कैल्शियम का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 22.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 4.6 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.0 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी